सत्र– 2022–23

दिनांक 01 अक्टूबर 2022 को एम0 ए0 प्रथम व द्वितीय वर्ष तथा बी0ए0 तृतीय वर्ष के छात्र–छात्राओं की सहमति से इतिहास परिषद का गठन हुआ। जिसमें सोनम तिवारी अध्यक्ष, निशाहनीफ उपाध्यक्ष, महामंत्री ऋषि चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष जय सिंह गुर्जर का चयन किया गया।

दिनांक 07 अक्टूबर 2022 को इतिहास विभाग, अर्थशास्त्र विभाग व आई0क्यू0ए0सी0 के संयुक्त तत्वाधान में ''दुर्गाभाभी जन्म दिवस'' पर एक संगोष्ठि स्नातक व परास्नातक के छात्र–छात्राओं के समक्ष आयोजित किया गया। इस अवसर पर इतिहास विभाग की प्रभारी डॉ0 मंजू जौहरी, अर्थशास्त्र विभाग की प्रभारी डॉ0 वर्षा राहुल जी, डॉ0 कृपाशंकर यादव, इतिहास विभाग के असि0 प्रोफेसर श्री पंकज कुमार सिंह एवं शोधार्थी अलाउद्दीन शाह सहित अन्य छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें। डॉ0 मंजू जौहरी ने बताया कि दुर्गाभाभी का नाम भारतीय क्रान्तिकारी आन्दोलन में अविस्मरणीय है। जिसको भुलाया नहीं जा सकता। दुर्गाभाभी भारत के स्वतंत्रता संग्राम में क्रान्तिकारीयों की प्रमुख सहयोगी थी। अर्थशास्त्र विभाग की प्रभारी डॉ0 वर्षा राहुल जी ने दुर्गाभाभी के जीवन पर छात्र–छात्राओं को विस्तार से बताया। इतिहास विभाग के असि0 प्रोफेसर श्री पंकज कुमार सिंह ने बताया कि कम उम्र में दुर्गाभाभी की शादी

भगवतीचरण बोहरा के साथ हुई। कार्यक्रम के अन्त में डॉ0 कृपाशंकर यादव ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

दिनांक 16 नवम्बर 2022 को अपराह्न 12 बजे कक्ष संख्या –2 में इतिहास विभाग अर्थशास्त्र विभाग व आई0क्यू0 ए0सी0 के संयुक्त तत्वाधान में ''वीरांगना ऊदा देवी शहीदी दिवस'' पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इतिहास विभाग की प्रभारी डॉ0 मंजू जौहरी, अर्थशास्त्र विभाग की प्रभारी डॉ0 वर्षा राहुल, इतिहास प्रवक्ता श्री पंकज कुमार सिंह एवं शोधार्थी अलाउद्दीन शाह सहित अनेक छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे इस अवसर पर डॉ0 मंजू जौहरी द्वारा वीरांगना ऊदा देवी के क्रान्तिकारी जीवन से जुड़े हुए विभिन्न संस्मरणों को छात्र–छात्राओं के समक्ष विस्तार से विश्लेषित किया। इसी क्रम में डॉ0 वर्षा राहुल द्वारा भारत के स्वतंत्रता के प्रमुख सेनानी के रूप में वीरांगना ऊदा देवी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी सराहना की गई। इतिहास प्रवक्ता श्री पंकज कुमार सिंह के द्वारा वीरांगना ऊदा देवी को अवस्मरणीय बताते हुए अपना ओजस्वी वक्तव्य दिया। अन्त में उक्त कार्यक्रम में श्री पंकज जी द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

दिनांक 22 नवम्बर 2022 को ''वीरांगना झलकारी बाई जयन्ती'' के अवसर पर इतिहास परिषद की ओर से स्नातक व परास्नातक के छात्र–छात्राओं के मध्य एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग प्रभारी डॉ0 मंजू जौहरी के द्वारा 1857 के विद्रोह में ''वीरांगना झलकारी बाई'' के योगदान से छात्र–छात्राओं को अवगत कराया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक श्री पंकज कुमार सिंह द्वारा वीरांगना झलकारी बाई के बलिदान पर प्रकाश डाला गया। शोधार्थी अलाउद्दीन शाह ने झलकारी बाई से सम्बन्धित संस्मरण विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किए। अन्त में श्री पंकज कुमार सिंह द्वारा सभी का आभार व्यक्त करते हुए इस कार्यक्रम का समापन्न किया गया।

दिनांक 19 दिसम्बर 2022 को इतिहास विभाग एवं अर्थशास्त्र विभाग व आई0क्यू0 ए0सी0 के संयुक्त तत्वाधान में ''किसान दिवस'' पर एक संगोष्ठी का

आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग प्रभारी डॉ0 मंजू जौहरी इतिहास प्रवक्ता श्री पंकज कुमार सिंह, अर्थशास्त्र विभाग प्रभारी डॉ0 वर्षा राहुल व डॉ0 कृपाशंकर यादव एवं शोधार्थी अलाउद्दीन शाह सहित अन्य छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। इतिहास विभाग प्रभारी डॉ0 मंजू जौहरी ने उक्त कार्यक्रम के विषय पर प्रकाश डालते हुए बताया की इस दिन को विशेष रूप से चौधरी चरण सिंह के जन्म उत्सव के लिए मनाया जाता है। जो देश के किसानों के कल्याण के लिए काम करने वाले अग्रदूत में से एक थे। इसी क्रम में अर्थ शास्त्र विभाग की प्रभारी डॉ0 वर्षा राहुल ने चौधरी चरण सिंह जी के जीवन परिचय को विस्तार से छात्र छात्राओं के समक्ष किया। इसके पश्चात् डॉ0 कृपाशंकर यादव द्वारा किसानों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे कैरियर के रूप में प्रयोग पर बल दिया। इतिहास प्रवक्ता श्री पंकज कुमार सिंह जी ने छात्र–छात्राओं के अनेक जिज्ञासाओ को शांत करते हुए किसानों एवं खादय गुणवक्ता से भी छात्र–छात्राओं को अवगत कराया। अन्त में शोधार्थी अलाउद्दीन शाह द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया।

दिनांक 04 फरवरी 2023 को इतिहास व अर्थशास्त्र विभाग तथा आई0क्यू0ए0 सी0 के संयुक्त तत्वाधान में अपराह्न 12:00 बजे कक्ष सं0 2 में ''चौरी–चौरी काण्ड'' से सम्बन्धित विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इतिहास विभाग प्रभारी असि0 प्रोफेसर श्री पंकज कुमार सिंह कार्यक्रम संयाजिका डॉ0 मंजू जौहरी और अर्थशास्त्र विभाग के डॉ0 कृपाशंकर यादव तथा शोधार्थी अलाउद्दीन शाह एवं स्नातक व परास्नातक के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर ''चौरी–चौरा काण्ड'' के संस्मरण पर प्रकाश डाला गया। जिसमें डॉ0 मंजू जौहरी ने उक्त विषय पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्वतंत्रता के लिए आन्दोलन हुए जिसमें असहयोग आंदोलन का अत्यन्त महत्व है। अन्त में श्री पंकज जी द्वारा सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

ऐतिहासिक शैक्षणिक भ्रमण–एम0ए0प्रथम सेमस्टर सत्र– 2022–23

दिनांक 03 मार्च 2023 को इतिहास विभाग से विभाग प्रभारी श्री पंकज कुमार सिंह, डॉ0 मंजू जौहरी व अर्थशास्त्र विभाग से डॉ0 वर्षा राहुल जी व शोधार्थी अलाउद्दीन शाह के संरक्षण में एम0ए0 प्रथम सेमस्टर के छात्र–छात्राओं की शैक्षणिक भ्रमण ओरछा (म0प्र0) में कराया गया।

इस भ्रमण के दौरान सभी छात्र–छात्राओं को शिक्षकों द्वारा अवगत कराया गया कि बुन्देली शासकों के समय ओरछा बुन्देल खण्ड की राजधानी रहीं है। ओरछा के महत्वपूर्ण किले का निर्माण राजा रूद्रप्रताप द्वारा करवाया गया एवं इनके द्वारा ही ओरछा नाम दिया गया। समय–समय पर अनेक वीर बुन्देली शासकों द्वारा अनेक ऐतिहासिक, कलात्मक भवनो व मन्दिरों का निर्माण किया गया। जो अपने समय की सभ्यता संस्कृति को दर्शाता है।

जिस समय मुगल शासक अकबर का शासन था उस समय ओरछा के शासक महाराजा मधुकर शाह थे। ये एक धर्मनिष्ठ एवं कर्मनिष्ठ शासकों में से एक माने जाते है। इन्होंने ओरछा में चर्तुभुज मन्दिर का निर्माण करवाया। जो आज भी कला की दृष्टि से अपना एक विशेष स्थान रखता है। महाराजा मधुकर शाह की पत्नी रानी कुँवर भगवान राम की अनन्य भक्त थी और वह अयौध्या से भगवान राम की मूर्ति अपनी गोद में लेकर आयी जिसे ओरछा के रामराजा मन्दिर में स्थापित किया। रामलला का मन्दिर अत्यन्त प्रसिद्ध है जो आज भी पर्यटकों का केन्द्र बिन्दु है।

बुन्देली शासक वीरसिंह जूदेव ने 'जहाँगीरी महल' का निर्माण करवाया जो एक अनूठी कला को प्रदर्शित करता है। पर्यटन की दृष्टि से सावन–भादो स्तम्भ, राजा हरदौल का चबुतरा, प्रवीण राय का भवन आदि अनेक पर्यटक स्थल देखने योग्य है। समय–समय पर दिल्ली सल्तनत व मुगल शासकों जैसे– सिकन्दर लोदी, अकबर,

शाहजहाँ, औरंगजेब आदि शासकों के समय अनेक युद्ध हुए। इसलिए ओरछा ऐतिहासिक भवनों, मन्दिरो आदि के लिए प्रसिद्ध माना जाता है।

अतः इस भ्रमण के माध्यम से छात्र–छात्राओं का शैक्षणिक ज्ञानोपार्जन हुआ। एवं विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास तथा ओरछा की ऐतिहासिकता से सभी छात्र–छात्राएं अवगत हुए। इस प्रकार यह शैक्षणिक भ्रमण शिक्षा की दृष्टि से अत्यन्त लाभकारी रहा।

दिनांक 23 मार्च 2023 को इतिहास विभाग व अर्थशास्त्र विभाग व आई0क्यू0 ए0 सी0 के संयुक्त तत्वाधान में 11:00 एम बजे कक्ष संख्या 2 में 'शहीद दिवस' से सम्बन्धित विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इतिहास विभाग के विभाग प्रभारी श्री पंकज कुमार सिंह एवं अर्थशास्त्र विभाग के डॉ0 कृपाशंकर यादव तथा शोधार्थी अलाउद्दीन शाह एवं स्नातक व परास्नातक के छात्र–छात्राए उपस्तिथ रहे। इस अवसर पर 'शहीद दिवस' के संस्मरण पर प्रकाश डाला गया।

डॉ0 कृपाशंकर यादव जी ने शहीद दिवस के अवसर पर भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव के बलिदान से सम्बन्धित अपना ओजस्वी वक्तव्य दिया। श्री पंकज कुमार सिंह द्वारा विद्यार्थियों को सरदार भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव की शहादत से सम्बन्धित ऐतिहासिक वक्तव्य दिया गया। जिसमें उन्होंने बताया कि किस प्रकार इन सभी क्रांतिकारियों द्वारा भारत की पूर्ण स्वराज की मांग के लिए अपने प्राणों की आहुति दी गयी। इस अवसर पर शोधार्थी अलाउद्दीन शाह ने भारत के क्रांन्तिकारी दल की गतिविधियों पर प्रकाश डाला कई विद्यार्थियों द्वारा अपने विचार प्रस्तुत किए गये। अन्त में श्री पंकज कुमार सिंह द्वारा सभी का आभार व्यक्त करके कार्यक्रम का समापन किया गया।

दिनांक 18 अप्रैल 2023 को इतिहास विभाग, अर्थशास्त्र विभाग व आई0 क्यू0 ए0सी0 के संयुक्त तत्वाधान में "विश्व विरासत दिवस व बालिदान दिवस तात्या टोपे" पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग की प्रभारी डॉ0 वर्षा राहुल व इतिहास विभाग के विभाग प्रभारी श्री पंकज कुमार सिंह एवं शोधार्थी अलाउद्दीन शाह सहित अन्य छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

18 अप्रैल 2023 को इतिहास परिषद की ओर से एम0ए0 एवं बी0ए0 के छात्र छात्राओं के साथ समापन समारोह का आयोजन किया गया। विजित छात्र–छात्राओं को पुरस्तकार वितरण किया गया एवं विभाग की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।